B-3
L-23
Indian Society

23/12/2023

भारत में विविधता

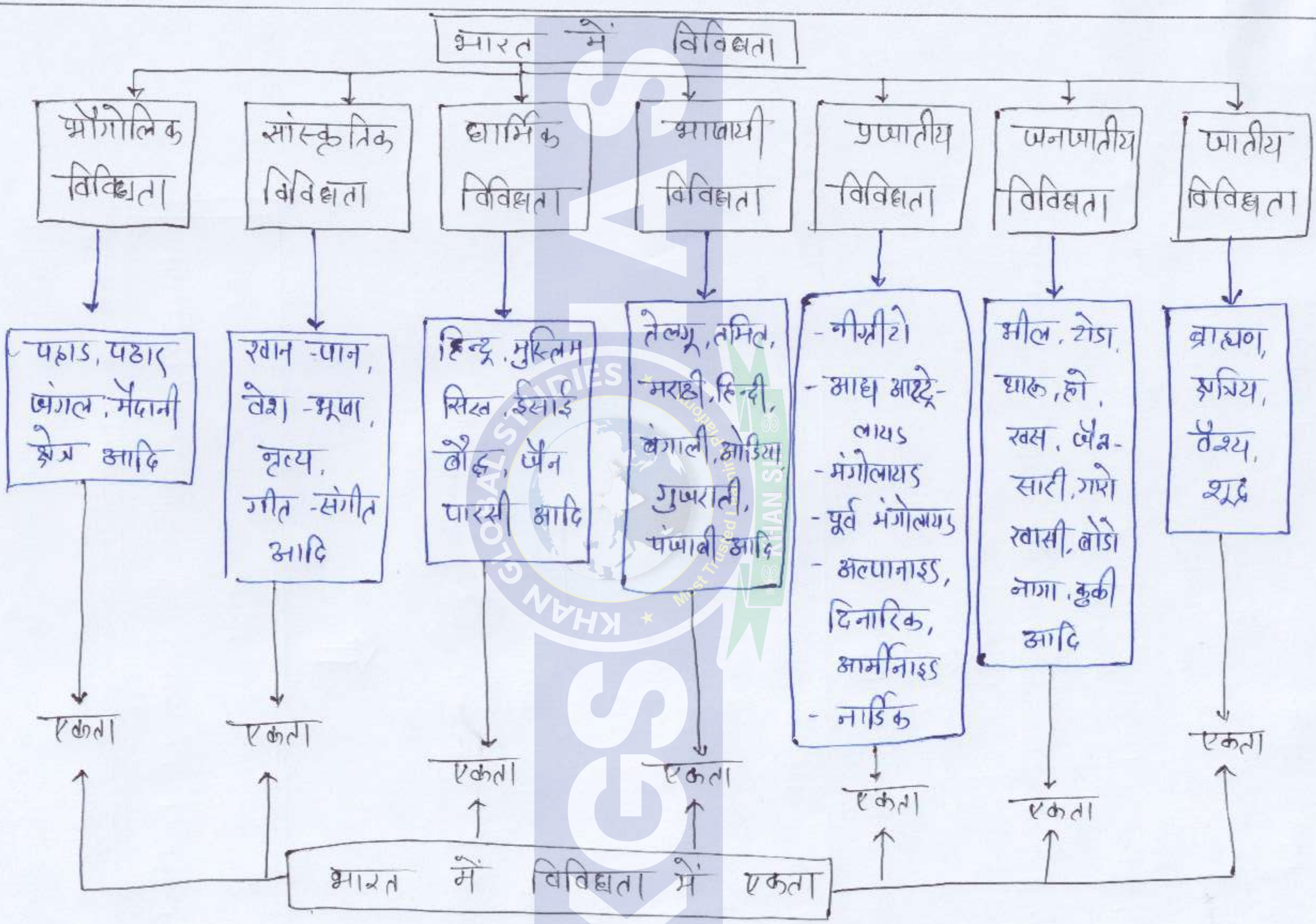

1.

भारत में विविधता

वैश्वीकरण का भारत की सांस्कृतिक विविधता पर प्रभाव

⇓

1. वैश्वीकरण - तार्किक एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण का तीव्र विकास और आधुनिकता के मूल्यों का तीव्र प्रसार

⇓

फलतः भारतीयों में परंपरागत संस्कृति को छोड़कर आधुनिक बनने की प्रवृत्ति तीव्र एवं आधुनिक समाज का निर्माण

⇓

फलतः भारतीय समाज की विविधता कमजोर

2. वैश्वीकरण - पश्चिमीकरण एवं वैश्विक संस्कृति का भारतीय संस्कृति पर प्रभाव

⇓

फलतः एक वैश्विक संस्कृति का निर्माण

⇓

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform

⇓

फलतः भारतीय समाज की विविधता कमजोर

3. वैश्वीकरण - यातायात एवं संचार क्रांति तथा बाजार अर्थव्यवस्था का विकास

⇓

फलतः स्थानीय संस्कृति का भारतीयकरण और एक संश्लेषित भारतीय संस्कृति का निर्माण

⇓

फलतः भारतीय समाज की विविधता कमजोर

4. वैश्वीकरण - पहचान का संकट

⇓

फलतः लोगों का अपने स्थानीय तत्वों एवं परंपरागत संस्कृति को पुनः अपनाया जाना

⇓

फलतः भारतीय समाज की विविधता पुनः मजबूत

⇓

समीक्षा

स्पष्ट है, वैश्वीकरण की वर्तमान प्रक्रिया ने कई रूपों में एक संश्लेषित संस्कृति का निर्माण करके भारतीय संस्कृति की विविधता को कमजोर किया

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

है तो दूसरी तरफ पहचान के संकट के रूप में इसने विविधता को पुन: स्थापित करने का प्रयास भी किया है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि - भारतीय समाज की विविधता पर वैश्वीकरण का नकारात्मक प्रभाव संक्रमणकालीन अवस्था का प्रभाव अधिक है, जहां छद्म आधुनिकता का विकास हो रहा है।

परंतु आधुनिकता के परिपक्व स्तर पर, बिना सांस्कृतिक विखंडन के भी आधुनिक समाज का निर्माण संभव है और भारतीय समाज की विविधता बनी रह सकती है (उदाहरण - जापान)।

अत: निष्कर्ष है कि - वैश्वीकरणजनित प्रभाव निश्चित रूप से भारतीय विविधता को कमजोर कर रहे हैं, लेकिन इसके आधार पर विविधता के पूर्णत: समाप्त होने की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है क्योंकि भारतीय संस्कृति में अनुकूलनशीलता की अद्भुत क्षमता रही है जिसने हजारों वर्षों से विविधता को कायम रखा है और आगे भी यह थोड़े बहुत परिवर्तनों के साथ बनी रहेगी।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

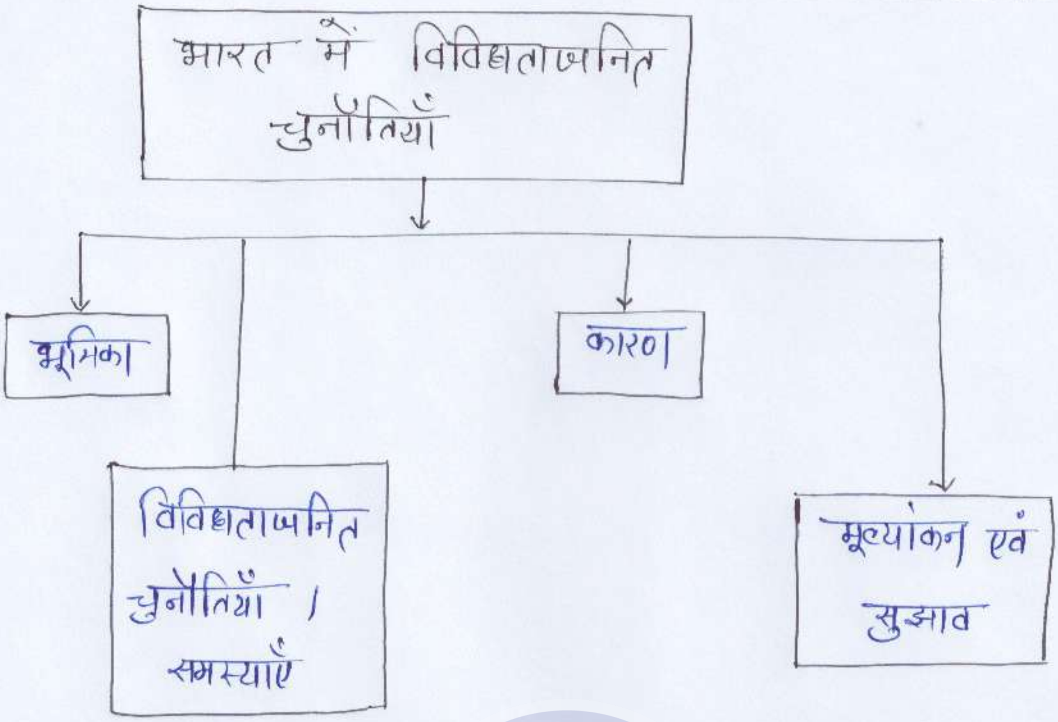

KHAN GLOBAL STUDIES
KGS IAS
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR